



अगर आप भी उन पेरेंट्स में से हैं, जो यह मान कर बैठे हैं कि बच्चों को सब कुछ सिखाने की जिम्मेदारी स्कूल की है, तो अपने को थोड़ा दुरुस्त कर लें। अगर बच्चों को सुनहरे कल के लिए तैयार करना है, तो कुछ बातें आपको भी उन्हें सिखानी होंगी...

किसी भी समस्या को लेकर आत्मविश्वास पैदा हो जाएगा और फिर शायद ऐसा कुछ नहीं बचेगा, जिसे वह हल नहीं कर सकता हो और आपको समस्या भी बड़ी आसानी से हल हो जाएगी।

अपने आप में खुश रहना

सभी पेरेंट्स अपने बच्चों को बहुत लाड़ करते हैं और यह मानकर चलते हैं कि बच्चों की खुशी के लिए उनका बच्चों के साथ होना बहुत जरूरी है। जब बच्चे बड़े हो जाते हैं तो उन्हें पता ही नहीं होता कि खुश कैसे रहा जाए और वे दोस्तों, शॉपिंग, वीडियो गेम्स, इंटरनेट जैसी बाहरी चीजों में अपनी खुशी ढूँढते हैं। जबकि एक बच्चे को आसानी से अपने-आप में खुश रहना सिखाया जा सकता है। वह खुद खेल सकता है, पढ़ सकता है, अपनी कल्पनाओं में खो सकता है। अपने बच्चे को शुरू से थोड़ी निजता की आदत डालें। उसे अकेले थोड़ा वक्त बिताने दें, वह खुद-ब-खुद खुश रहना सीख जाएगा।

सहनशील घर में बच्चों के चारों ओर सुरक्षित वातावरण होता है, लेकिन जब वे बाहरी दुनिया के संपर्क में आते हैं तो कई बार यह अनुभव उनके लिए डराने वाला, तकलीफदेह हो सकता है। इसलिए अपने बच्चों को शुरू से ही हर तरह के लोगों से मिलने की आदत डालें। उन्हें बताएं कि दुनिया में अलग-अलग तरह के लोग होते हैं और अलग होना कोई बुरी बात नहीं है।

बदलाव स्वीकार करना

दुनिया हर क्षण बदलती रहती है और जो इस बदलाव को स्वीकार करके उसके साथ-साथ चलता है, वह हमेशा सुखी रहता है। जो लोग बदलाव नहीं चाहते या उससे डरते हैं, वे जिंदगी में बहुत ज्यादा आगे नहीं बढ़ पाते। चार्ल्स डार्विन का सिद्धांत भी यही कहता है। किसी चीज पर अडिग होना अच्छा है, लेकिन उस पर अड़ जाना खराब है, जिंदगी में चीजों को लेकर थोड़ी नरमाई या लोच होना चाहिए। यदि आप बदलाव के अनुकूल बन जाते हैं तो आपको नए-नए अवसर मिलते हैं। ये नए अवसर आपकी प्रार्थमिकता बन जाते हैं, जबकि ये पहले आपके आस-पास भी नहीं थे। तो बच्चों को सिखाएं कि यदि वे किसी भी तरह के बदलाव को स्वीकार करेंगे तो जिंदगी रोमांच से भरपूर बनी रहेगी।

..बहुत जरूरी है बच्चों को यह सिखाना

आप किसी चीज को लेकर इतने उत्साहित रहते हैं, कि हर वक्त उसी के बारे में सोचते रहते हैं। आपको कोई भी चीज करने में मजा आता है और जब वह चीज आकार लेती है तो आपको भीतर से खुशी होती है...



सवाल पूछना

हम बच्चों से क्या चाहते हैं? यही न कि वे चीजों को खुद ब खुद सीखना और समझना जानें। इसके बाद हमें उन्हें हर चीज सिखाने की जरूरत नहीं होगी। जो कुछ उन्हें भविष्य में जानना-सीखना होगा, वे अपने आप उन चीजों को कर पाएंगे। बच्चे ऐसा कर सकें, इसका सबसे बेहतर तरीका यही है कि आप उन्हें सवाल पूछना सिखाएं। हालांकि ज्यादातर बच्चे ऐसा करते भी हैं, ऐसे में पेरेंट्स होने के नाते आपको यह जिम्मेदारी है कि आप बच्चों के हर सवाल का जवाब यथा-संभव देने की कोशिश करें। वैसे भी बच्चों की आदत होती है कि वे जब भी कुछ नया देखते हैं, उसके बारे में सवाल पूछना शुरू कर देते हैं। लिहाजा जब बच्चे सवाल पूछें तो उन्हें डाँटे या दुकारें नहीं, बल्कि इनम दें।

पैशन खोजना

आपको क्या चीज आगे बढ़ती है? आपका लक्ष्य, अनुशासन, बाहरी प्रेरणा, इनमें से एक भी चीज आपको आगे नहीं बढ़ती। आपको आगे बढ़ना है आपका पैशन। आप किसी चीज को लेकर इतने उत्साहित रहते हैं, कि हर वक्त उसी के बारे में सोचते रहते हैं। आपको कोई भी चीज करने में मजा आता है और जब वह चीज आकार लेती है तो आपको भीतर से खुशी होती है, यह है आपका किसी भी काम को करने का पैशन। अपने बच्चे की मदद उसका पैशन खोजने में कीजिए। किस काम को करने में उसे बहुत मजा आता

है। उसकी रुचियों, उसके काम को हतोत्साहित मत कीजिए और न ही किसी चीज का मजाक उड़ाइए।

प्रोजेक्ट संभालना

एक किताब लिखना, उसे बेचना, घर का कोई भी काम करना एक प्रोजेक्ट जैसा ही है। आप किसी भी एक प्रोजेक्ट पर अपने बच्चे के साथ काम कीजिए और उसे देखने दीजिए कि कोई भी चीज कैसे पूरी की जाती है। इसके बाद कोई भी काम उसे अपने-आप ज्यादा से ज्यादा करने दीजिए। उसमें आत्मविश्वास बढ़ेगा। उसके बाद उसके सीखने की प्रक्रिया एक प्रोजेक्ट के समान ही होगी।

समस्याएं सुलझाना

यदि एक बच्चा कोई समस्या सुलझा सकता है तो वह दुनिया का कोई भी काम कर सकता है। कोई भी काम हमें डराने वाला हो सकता है, लेकिन देखा जाए तो वह महज एक समस्या है, जिसका हल होता है। एक नई स्कूल, नया वातावरण, एक नई जरूरत किसी भी समस्या की वजह बन सकती है। इसलिए अपने बच्चे को समस्याएं सुलझाना सिखाइए। आप बच्चे के सामने साधारण समस्याएं रखिए और उसे कहिए कि वह इन्हें अपने हिसाब से सुलझाए। अगर वह उस समस्या को सुलझा नहीं पा रहा है तो आप तुरंत उसका हल मत बताइए, उसे थोड़ा जूझने दीजिए, उसे उस समस्या के सभी संभावित हल निकालने दीजिए और उसके प्रयासों के लिए उसे पुरस्कृत भी कीजिए। धीरे-धीरे बच्चे में

कैसे सजाएं आशियाना

अपने घर को ज्यादा सजाने के चक्कर में हम कभी-कभी इतना मशगूल हो जाते हैं कि वह बनावटी लगने लगता है। हमें लगता है कि हम हर तरह के सामान से अपने घर को सजाएं, परंतु वह सही नहीं है। कोई एक थीम लें और उसी पर कायम रह कर अपने घर को सवारें। हम आपको बता रहे हैं कुछ सामान्य गलतियां जो हम अपने नए घर को सजाने के वक्त कर बैठते हैं।



कमरे को हद से ज्यादा ना सजाएं

एक कमरे को फर्नीचर और दूसरे सामानों से भरने में वक्त नहीं लगता, वक्त लगता है उसके सही प्लेसमेंट में। कमरे को खचाखच ना भरें। उसमें आराम से आने-जाने की और कुछ खाली जगह हो। साज-सज्जा सोबर रखें और सफाई पर ध्यान दें, क्योंकि कमरा भरा-भरा होगा तो साफ सफाई नहीं हो पाएगी।

जगह ना होने पर जबरदस्ती सामान जमाना

इसके लिए सबसे पहले अपनी बेकार की खरीददारी पर रोक लगाएं। बाजार में जो अच्छा दिख गया खरीद लीए, यह आदत गलत है। अगर कोई सामान कमरे के लिए फिट नहीं है तो उसे जमाने की कोशिश में समय ना बर्बाद करें। एक व्यवस्थित और साफ कमरा ही दिखने में सुन्दर लगता है।

अव्यवस्था फैलाना

घर में अधिक अव्यवस्था की जरूरत नहीं है। अव्यवस्था से आसानी से बचा जा सकता है, इसके लिए तीन बातें याद रखें -
- चीजें जो महत्वपूर्ण हैं
- चीजें जिनके बिना काम नहीं चल सकता

- अनावश्यक चीजों को बाहर निकाल दें

ये तीन बातें अव्यवस्था को रोक देंगी

कमरों में रोशनी के स्रोत कम होना

प्रकाश एक जरूरत है। यह सजावट के सबसे महत्वपूर्ण तत्वों में से एक है। सबसे पहले तो घर में प्राकृतिक प्रकाश आना चाहिए। पर्दे और सामान के गलत प्लेसमेंट से प्राकृतिक प्रकाश स्रोतों को ब्लॉक मत होने दें। अपने कमरे में एक से अधिक प्रकाश के स्रोत लगाएं।

वेराइटी पर ध्यान ना देना

एक ही दुकान से अपना सारा सामान ना खरीदें। अलग-अलग दुकानों पर जाएं, इससे आपको भाव भी समझ आएगा और सामान की वेराइटी भी मिलेगी।

बजट के महत्व को कम समझना

बहुत उत्सुक ना बनें और बहुत ज्यादा खरीदी ना करें। थोड़ा-थोड़ा कर के खरीददारी करें। सबकुछ एक बार में खरीदने की जल्दबाजी सही नहीं है। वही खरीदे जिसकी हाल-फिलहाल में जरूरत हो। एक बजट बनाएं और उस पर कायम रहें।

चेहरे की झाइयों का कैसे होता है उपचार

झाइयां एक ऐसी अवस्था है जिसमें चेहरे पर भूरे व काले रंग के धब्बे पड़ जाते हैं। यह दोनों गालों से शुरू होकर, बाद में बटर फ्लॉय शेप में होने लगते हैं। कभी-कभी यह नाक और आंख के ऊपरी हिस्से (भ्रौंहे) में भी होते हैं। पिग्मेंटेशन कितनी गहराई तक है, उसके अनुसार झाइयों को चार भागों में विभाजित किया गया है, पहले अगले पेज पर ...

एपीडर्मल झाइयां

इस अवस्था में केवल ऊपरी सतह ही प्रभावित होती है। इस तरह की झाइयों को ठीक करना आसान होता है।

डर्मल झाइयां

इसमें पिग्मेंटेशन त्वचा की गहराई तक होता है। इसका ट्रीटमेंट कठिन होता है। मिश्रित - इस तरह की झाइयों का ट्रीटमेंट काफी कठिन होता है। इसमें लेजर और पील उपचार आदि को संयुक्त रूप में दिया जाता है।

अस्पष्ट झाइयां

इस तरह की झाइयां बहुत गहरे रंग की त्वचा में पाई जाती हैं। ऐसी अवस्था में त्वचा की स्थिति के बारे में जानना आसान नहीं होता।

हार्मोनल असंतुलन

यह झाइयों का मुख्य कारण होता है। गर्भधारण करने की स्थिति में हो सकता है या गर्भ निरोधक गोळियां लंबे समय तक लेने से हो सकता है।

अनुवांशिक कारण

अनुवांशिक कारणों से। भूप की किरणों से बचाव न करने की वजह से। एलर्जी - कुछ कॉस्मेटिक उत्पाद जिनसे एलर्जी होने के बाद भी उपयोग करने के कारण। थायरॉइड - झाइयां थायरॉइड बीमारी के मरीजों में भी देखी जा सकती है। रजोनिवृत्ति - रजोनिवृत्ति के समय बढ़ जाती है। हार्मोनल असंतुलन होने की वजह से झाइयों का उपचार करना कठिन होता है। सही ढंग से उपचार कराने पर यह ठीक हो जाती है।

गोरेपन की क्रीम

झाइयां दूर करने के लिए हायड्रोक्विनोन, ट्रेटिनोइन,

रेटिनॉइड्स, कोजिक एसिड और विटामिन-सी प्रकार व पिग्मेंटेशन के अनुसार उपयोग किया जाता है।

लेजर उपचार-

लेजर उपचार से भी काफी मदद मिलती है। लेसर में क्यू-स्विचड लेजर का उपयोग करते हैं जिससे मिलेनोसाइट कम हो जाते हैं। यह उपचार लेने के लिए कई बार क्लिनिक पर जाना पड़ता है यानी यह कई सेशन में किया जाता है। यह सेशन महीने में एक बार होती है।

केमिकल पील उपचार-

इसमें ग्लाइकोपील, टीसीपी पील, मेडिकल एसिड पील आदि विभिन्न पील का उपयोग होता है। पील उपचार के लिए कई सेशन होती हैं, इनमें 10 दिनों का अंतराल होता है।



ये एक गलती नहीं करती तो...मां श्रीदेवी के निधन के बाद अब भी पछताती है

जान्हवी कपूर



जान्हवी कपूर न सिर्फ अपने लुक से बल्कि अपनी एक्टिंग से भी फैंस को दीवाना बनाने में कोई कसर नहीं छोड़ती हैं। वो सोशल मीडिया पर खूब एक्टिव रहती हैं और अपनी लाइफ से जुड़ी हर अपडेट को फैंस से शेयर करती रहती हैं। कुछ दिन पहले जूनियर एनटीआर के साथ एक्स्ट्रेस को फिल्म 'देवरा' में देखा गया था। हालांकि फिल्म तो कुछ खास कमाई नहीं कर पाई थी, लेकिन इसका गाना Chuttamalle पर लोग अभी भी डांस करना पसंद करते हैं। जान्हवी ने अपने करियर की शुरुआत 'धड़क' के जरिए की थी। जान्हवी की मां श्रीदेवी इस फिल्म की शूटिंग के वक्त सेट पर आया करती थीं, लेकिन फिर कुछ ऐसा हुआ कि उन्होंने आना बंद कर दिया। हालांकि मां के चले जाने के बाद बेटी को एक बात का बहुत पछतावा होता है, जिसका उन्होंने कुछ साल पहले खुलासा किया था। एक इंटरव्यू के दौरान जान्हवी कपूर ने अपनी मां श्रीदेवी के साथ रिश्ते को लेकर खुलकर बात की थी। इस दौरान उन्होंने अपनी पहली फिल्म 'धड़क' से जुड़े तमाम किस्से शेयर किए थे। जान्हवी ने ये भी बताया था आखिर उनकी मां की ऐसी कौन सी बात थी, जिसको लेकर आज भी एक्स्ट्रेस को बहुत पछतावा महसूस होता है।

जान्हवी नहीं चाहती थीं कि श्रीदेवी सेट पर आएँ

जान्हवी ने कहा था, जिस वक्त मैं धड़क की शूटिंग कर रही थी, तो उस वक्त मेरी मां सेट पर मेरे साथ आना चाहती थीं। कई बार वो खुद से आ भी जाती थीं। लेकिन फिर मैंने उनको सेट पर आने से रोकना शुरू कर दिया था, क्योंकि मैं नहीं चाहती थी कि सबको ये लगे कि मैं श्रीदेवी की बेटी हूँ तो इस बात का फायदा उठा रही हूँ। और वैसे भी सभ की ये लगता था कि मुझे मेरी डेब्यू फिल्म इसलिए मिली क्योंकि मैं श्रीदेवी की बेटी हूँ, लेकिन अब मुझे इस बात का पछतावा होता है कि आखिर क्यों मैंने मां को सेट पर आने से रोका। मुझे लगता है कि मैंने क्यों लोगों की बातों पर इतना ध्यान दिया। अब मैं श्रीदेवी की बेटी हूँ, तो इसमें कुछ नहीं किया जा सकता है।

इसलिए होता है पछतावा

जान्हवी ने आगे कहा था, वो भारत की टॉप एक्स्ट्रेस में से एक थीं। काश उस वक्त मैंने उनको सेट पर आने दिया होता और उनसे कुछ अच्छे टिप्स ले पाती। अब जब मैं पीछे मुड़कर देखती हूँ तो ऐसा लगता है कि आखिर मैंने मां की बात क्यों नहीं सुनी और लोगों की बातों पर इतना ध्यान क्यों दिया।

अपनी बात खत्म करते हुए एक्स्ट्रेस ने कहा था, कभी-कभी लगता है कि मां को कॉल करूँ और कहूँ कि ये फिल्म शूट हो रही है, सेट पर आ जाइए, जब जान्हवी की मां का निधन हुआ, उसी साल उनका फिल्म 'धड़क' रिलीज हुई थी। एक्स्ट्रेस अपनी मां को लेकर बहुत भावुक हैं और वो अक्सर उनसे जुड़ी यादें शेयर करती रहती हैं।

जो मैंने कहा, नहीं कहना चाहिए था, मुझे माफ कर दीजिए...बवाल के बाद रणवीर इलाहाबादिया ने मांगी माफी



भड़े कमेंट के चलते देशभर में लोगों के निशाने पर आए यूट्यूबर रणवीर इलाहाबादिया ने माफी मांग ली है। उन्होंने सोमवार को अपने एक्स पर एक वीडियो शेयर किया, जिसमें उन्होंने कहा कि मेरा कमेंट सही नहीं था और न ही वो फनी थी, इसलिए मैं आप सभी से माफी मांगता हूँ। रणवीर इलाहाबादिया हाल ही में कॉमेडियन समथ रैना के शो इंडियाज गॉट लेटेस्ट पर पहुंचे थे, जहां उन्होंने पैंट को लेकर बेहद आपत्तिजनक बात कही थी। इसके बाद उनका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया था और उनके खिलाफ कार्रवाई की मांग उठने लगी थी।

रणवीर ने एक्स पर वीडियो शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा, मैंने जो इंडियाज गॉट लेटेस्ट में कहा, वो नहीं कहना चाहिए था। मुझे माफ कर दीजिए, इसके साथ उन्होंने वीडियो में कहा, मेरा कमेंट सही नहीं था, न वो फनी था, कॉमेडी में मैं माफिर नहीं हूँ, मैं यहां बस माफी मांगने के लिए आया हूँ, आप लोगों में से कइयों ने पूछा कि क्या मैं इस तरह अपने प्लेटफॉर्म का इस्तेमाल करना चाहता हूँ, नहीं, मैं इस तरह बिल्कुल भी इस्तेमाल नहीं करना चाहता हूँ, जो मैंने कहा उसको लेकर मैं कोई बहाना नहीं बनाऊंगा, मैं बस माफी मांगता हूँ।

विवादित क्लिप हटाने को कहा

रणवीर ने कहा कि परिवार एक ऐसी चीज है, जिसकी मैं कभी भी बेइज्जती नहीं करना चाहूंगा। मैंने इस पूरे मामले से ये सीखा है कि इस प्लेटफॉर्म को और बेहतर तरीके से इस्तेमाल करने की जरूरत है। उन्होंने वादा किया कि वो और बेहतर होंगे। इसके साथ ही रणवीर ने बताया कि उन्होंने शो के मेकर्स से कहा है कि वो विवादित क्लिप को वीडियो से हटा लें। उन्होंने कहा कि मुझे उम्मीद है कि आप मुझे माफ कर देंगे।

दिल्ली से मुंबई तक शिकायत दर्ज

रणवीर और समथ शो में मौजूद तमाम लोगों के खिलाफ पहले मुंबई और फिर दिल्ली में शिकायत दर्ज कराई गई। दिल्ली के एक वकील ने तो समथ रैना के शो इंडियाज गॉट लेटेस्ट के खिलाफ सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय में भी शिकायत की और इस शो को बंद करने की मांग कर दी।

12 महीने के इंतजार के बाद विक्रांत मैसी ने दिखाई बेटे की पहली झलक, नन्हें वरदान की व्यूटनेस पर हो जाएंगे फिदा



बॉलीवुड एक्टर विक्रांत मैसी का बेटा वरदान एक साल का हो गया है। एक्टर पिछले साल बेटे के पिता बने थे और उन्होंने अपने बच्चे का नाम वरदान रखा था। हालांकि पिछले एक साल से उन्होंने अपने बच्चे को दुनिया की नजरों से बचाकर रखा था, लेकिन अब बेटे के पहले बर्थडे पर एक्टर ने दुनिया के लिए अपने छोटे से राजकुमार की मुंह दिखाई कर दी है। फोटोज देखने के बाद फैंस नन्हें से बच्चे पर खूब प्यार बरसा रहे हैं और उसकी जमकर तारीफ कर रहे हैं।

विक्रांत की पत्नी शीतल ठाकुर ने 7 फरवरी 2024 को एक बेटे को जन्म दिया था। इसके कुछ दिन बाद ही एक्टर ने अपनी प्रोफेशनल लाइफ से कुछ वक्त का ब्रेक ले लिया था, ताकि वो अपना पूरा ध्यान परिवार पर दे सकें और उनके साथ ज्यादा से ज्यादा समय बिता पाएं। हाल ही में एक्टर ने अपने बच्चे का पहला बर्थडे सेलिब्रेट किया और इस दौरान उन्होंने छोटी सी पार्टी होस्ट की थी।

विक्रांत ने इंस्टा पर शेयर की बच्चे की फोटोज

विक्रांत ने बर्थडे पार्टी की कुछ झलकियां सोशल मीडिया पर भी शेयर की थीं और इसी दौरान उन्होंने लोगों को बेटे का चेहरा भी दिखा दिया। विक्रांत ने इंस्टाग्राम हैंडल पर जो फोटोज शेयर की हैं उनमें वो अपनी पत्नी और बेटे के साथ नजर आ रहे हैं। ये फोटोज उनके बच्चे के पहले बर्थडे की हैं। फोटोज में एक्टर को अपने बेटे को गोद में लिए हुए देखा जा सकता है। विक्रांत का छोटा सा बेटा क्यूट सा लग रहा है। वहीं शीतल ठाकुर भी बहुत प्यारी लग रही हैं। फोटोज शेयर करते हुए एक्टर ने कैप्शन में लिखा, हमारे प्यारे से वरदान को हेलो कहिए, इन फोटोज पर फैंस के जमकर कमेंट्स भी आ रहे हैं।

फोटो पर फैंस ने लुटाया प्यार

विक्रांत की पोस्ट पर एक यूजर ने उनके बेटे के लिए लिखा, ओह माई गॉड बेबी वरदान कितना क्यूट है, वहीं दूसरे ने कहा, आखिरकार वरदान का चेहरा सामने आ ही गया। एक और शख्स ने कहा, ये तो विक्रांत की कार्बन कॉपी है। एक अन्य शख्स ने कहा, ये तो विक्रांत से भी ज्यादा क्यूट दिख रहा है। विक्रांत और शीतल की लव स्टोरी की बात करें तो दोनों ने साल 2015 में एक-दूसरे को डेट करना शुरू किया था। उन्होंने 2018 में 'ब्रोकेन विद ब्यूटीफुल' सीरीज में एक साथ काम किया था। प्यार परवान चढ़ा तो उन्होंने 2019 में सगाई कर ली और फिर 18 फरवरी 2022 को हमेशा-हमेशा के लिए एक-दूसरे के हो गए।

अमिताभ बच्चन

-रजनीकांत को नहीं आती एक्टिंग...' साथ काम करने वाले एक्टर का बड़ा बयान

पिछले साल 'वेट्टेयन' नाम की एक फिल्म रिलीज हुई। इस फिल्म में भारत के दो बड़े सुपरस्टार्स अमिताभ बच्चन और रजनीकांत एक साथ नजर आए। इस फिल्म में दोनों को पसंद किया गया। अब इस फिल्म में उनके साथ काम कर चुके एक एक्टर ने कहा है

कि एक्टिंग कैसे करते हैं।

एलेंसियर ले लोपेज को नहीं मिले पैसे

उन्होंने ये भी कहा कि इस फिल्म के लिए उन्हें पैसे नहीं मिले। शूटिंग के बारे में वो बोले- मुझे मुंबई का एक फ्लाइट टिकट दिया गया और फाइव स्टार होटल में ठहरने का इंतजाम कराया गया। मुझे बस एक शॉट के लिए वहां जज के तौर पर बैठना था। मेरे सामने एक तरफ अमिताभ बच्चन सर थे और दूसरी तरफ रजनीकांत सर।

एलेंसियर ले लोपेज ने कहा, कॉलेज के दिनों में मैंने रजनी सर को दांतों से हेलीकॉप्टर के ब्लेड रोकते हुए देखा था। इसलिए मैं ये देखना चाहता था कि कैमरे के सामने वो कैसे एक्ट करते हैं। 'वेट्टेयन' की शूटिंग के समय मैंने उन्हें एक्टिंग करते हुए देखा, उनका स्टाइल, बॉडी लैंग्वेज और जिस तरह वो कोर्ट रूम से बाहर निकलते हैं, वो सबकुछ देखा। और अमिताभ बच्चन शेर की दहाड़ रहे थे और मुझे उनके सामने एक्टिंग करना था।

मुकाबले पर कही ये बात

एलेंसियर ने आगे कहा, मुझे ये एहसास हुआ कि मैं उन दोनों के साथ मुकाबला नहीं कर सकता, क्योंकि न मेरा स्टाइल है और न गहरी आवाज है। मैं सिर्फ परफॉर्म कर सकता हूँ, मुझे ये भी एहसास हुआ कि उन लोगों को एक्टिंग नहीं आती।



कि उन दोनों को एक्टिंग नहीं आती है, उस एक्टर का नाम एलेंसियर ले लोपेज है, जो मलयालम सिनेमा में काम करते हैं। 'वेट्टेयन' में एक कोर्ट रूम का सीक्रेस है। एलेंसियर लोपेज जज के किरदार में नजर आए हैं। मीडिया से बातचीत करते हुए उन्होंने कहा, मुझे ये एहसास हुआ कि रजनीकांत और अमिताभ बच्चन नहीं जानते हैं

